







#### **Competition**

### "Ek Bharat Shreshtha Bharat" organized by

#### **Indian Institute of Tourism and Travel Management**

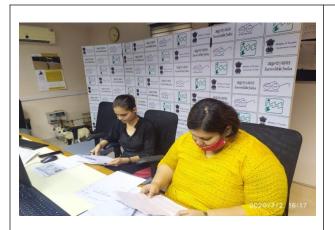
Ministry of Tourism, Government of India, has entrusted Indian Institute of Tourism and Travel Management to conduct online event/programs/competition under "Ek Bharat Shreshtha Bharat". In the series IITTM has organized "Online National Poetry and Narration competition". The registration was opened for all across country and some 45 entries received from all over the country where participants has sent a copy of poetry written by them along with a video of narration of poetry.

The judgment was based on the theme of the poetry, use of language, originality of poetry and the art of narration. The winner and runner up of the poetry competition are:

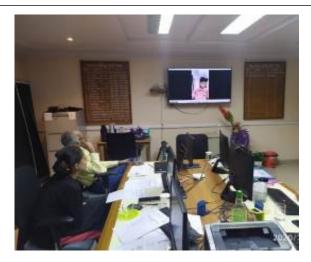
Winner- Shruti Sharma

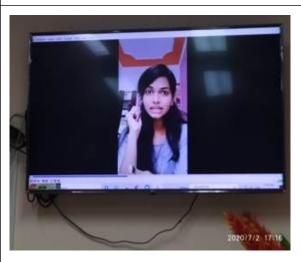
**Runner up** – Lav Kumar Gupta and Harishta Ghanghoriya

#### Jury and IITTM faculty checking the received Poetry and Narration Video



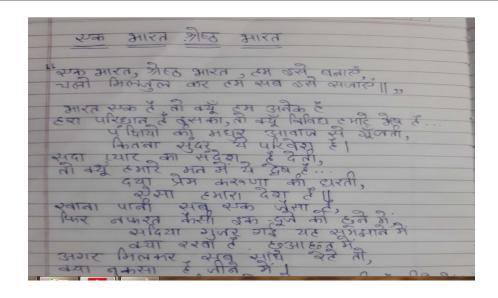






(' द्रानु भारत श्रेष्ठ भारत'''

रमन भारत श्रेष्ठ भारत की हावधारणा की पूरा कर के दिर नाएँगे।
सरवार पटेल जी है इस सपने को प्राणीप्रण से निमारंगे।
ये वावा है मेरा मेरे देश से इसे हम जन-जन से जुड़ वारंगे।
देश के विभिन्न प्रांतों के संबंध सुधारकर एकता को दृह बनारंगे।
शांति, सुरक्षा, सद्भाव, मित्रता जैसे न्यर मृत्यों की स्थापित करारंगे।
याहें कैसी भी हो स्थित न हम विचीलत होंगे न धवरारंगे।
पूर्व से पिश्चम तक, उत्तर से दिश्य तक,
पुर्व से पिश्चम तक, उत्तर से दिश्य तक,
जैले राह्य रूपी मोतियों की एक सूत्र में पिरोरंगे।
चहुँ दिशा में हम अपने तिरंगे को नई लहर से लहराएंगे।
देश को एक करने का झलरव हम जन-जन में जगाएंगे।
भारत की उन्नित के शिरवर पर पहुँचाकर पुनः स्वर्ण दिरेया बनाएंगे।
तभी तो एक भारत, श्रेष्ठ भारत का सपना हम साकार कर पारंगे।



एक हैं भारत , अंग्ड है भारत " (Saatho) हम हैं मेच्ड भारत के वासी। अग्रह हैं भे रक तभी होगा मेच्छ॥ प्राप्त किन्न, भाषा किन्न, किन्न खानपान है। संस्कृति किन्न, किन्न धर्म, पर यही हमारी शान है। हमारी एकता ही इसकी आन और जान है।। न कोई हिन्दू, न कोई मुस्लिम, न शिख-ईसाई है सबसे पहले भारतवासी, सेव आपस में भाई है। सर्वारव से लेकर कन्याकुमारी, अर-णाचल से गुजरात हैं सब संस्कृति आरत की संस्कृति, सब एक समान परिवार हैं विविध रंग हैं विविध वेश हैं , सबकी यही पहचान है कश्मीरी हो था जार भराठा सब भारत की संतान है। चारों धाम सब भीश नवाते, ताजमहल अभिमान बताते हिंदू, मूरिलम, ारीख, ईसाई ं जन-गण-मन आधिनायक अ क्रीक से लेकर मैंकमीहन 'तक, भारत है एक सबनें मेण्ड मनुष्य सञ्यता सबसे ज्येष्ठ, नहीं कोई है इससे मेण्ड भले राज्यों में कटे हुए , विविध वीलियों में बूंटे हुए पर धूल - मिलकर एक रंग ध्वजा बनाते, विश्व परल पर उसे लहराते ॥ ाइकन देख ठहर है जाता, सबका मन है कह ये कि हैं भारत एक हैं भारत, नेष्ठतम से भी नेष्ठ हैं।